



bhavy patidar

11 Oct 2021

11:49 PM

Dhar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121049805

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 11/10/2021
दिन _____: सोमवार
जन्म समय _____: 23:49:00 घंटे
इष्ट _____: 43:33:41 घटी
स्थान _____: Dhar
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 22:32:00 उत्तर
रेखांश _____: 75:24:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:28:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 23:20:36 घंटे
वेलान्तर _____: 00:13:17 घंटे
साम्पातिक काल _____: 00:42:50 घंटे
सूर्योदय _____: 06:23:31 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:06:29 घंटे
दिनमान _____: 11:42:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शरद
सूर्य के अंश _____: 24:29:41 कन्या
लग्न के अंश _____: 24:41:34 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: मिथुन - बुध
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 2
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: शोभन
करण _____: तैतिल
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मृग
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: तुला

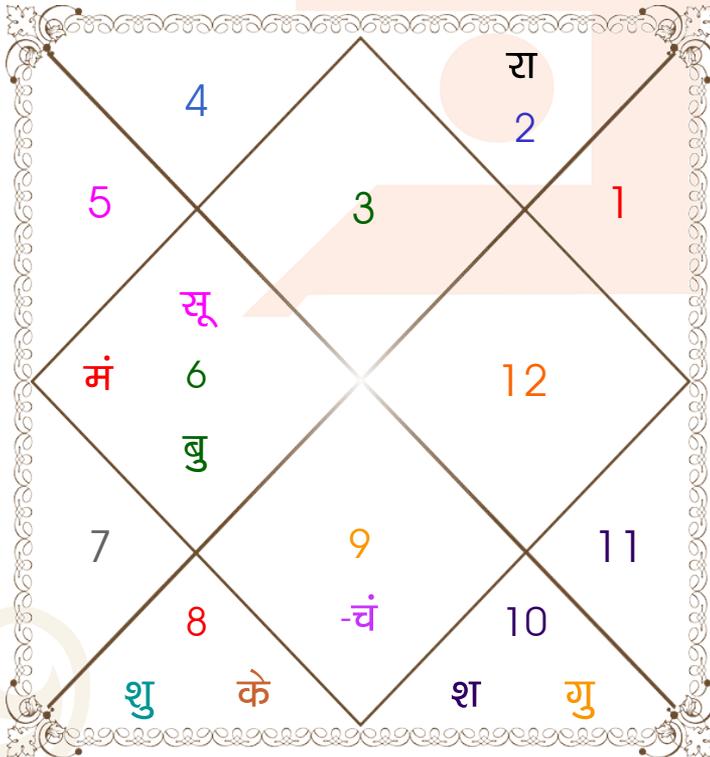
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	24:41:34	317:26:40	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	---
सूर्य			कन्या	24:29:41	00:59:21	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	सम राशि
चंद्र			धनु	06:28:40	14:13:10	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल	अ		कन्या	23:18:39	00:39:36	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	शत्रु राशि
बुध	व	अ	कन्या	20:03:34	01:04:28	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	केतु	स्वराशि
गुरु	व		मक	28:14:33	00:01:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	10:31:09	01:04:58	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	सम राशि
शनि			मक	12:43:20	00:00:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	स्वराशि
राहु			वृष	08:24:48	00:01:13	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	08:24:48	00:01:13	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मेष	19:35:10	00:02:10	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप	व		कुंभ	26:54:35	00:01:25	पूर्वाभाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो			मक	00:09:49	00:00:09	उत्तराषाढा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			मीन	17:29:07	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

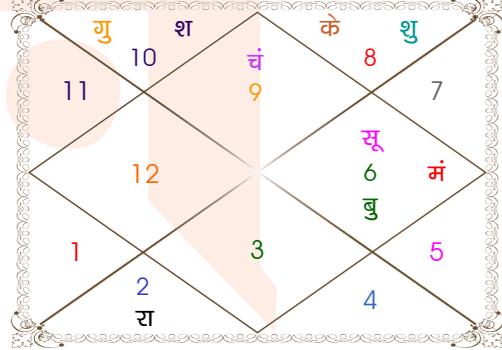
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:24

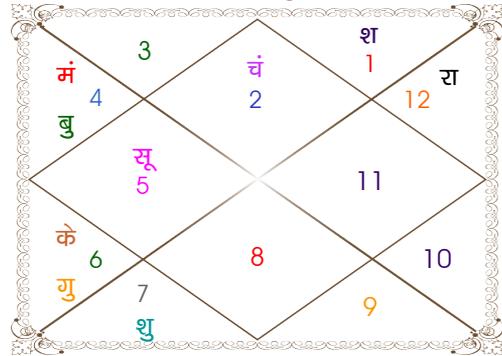
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 7 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
11/10/2021	18/05/2025	18/05/2045	19/05/2051	18/05/2061
18/05/2025	18/05/2045	19/05/2051	18/05/2061	18/05/2068
00/00/0000	शुक्र 17/09/2028	सूर्य 05/09/2045	चंद्र 18/03/2052	मंगल 14/10/2061
00/00/0000	सूर्य 17/09/2029	चंद्र 06/03/2046	मंगल 17/10/2052	राहु 02/11/2062
00/00/0000	चंद्र 19/05/2031	मंगल 12/07/2046	राहु 18/04/2054	गुरु 09/10/2063
00/00/0000	मंगल 18/07/2032	राहु 06/06/2047	गुरु 18/08/2055	शनि 16/11/2064
11/10/2021	राहु 18/07/2035	गुरु 24/03/2048	शनि 18/03/2057	बुध 14/11/2065
राहु 06/05/2022	गुरु 18/03/2038	शनि 06/03/2049	बुध 18/08/2058	केतु 12/04/2066
गुरु 12/04/2023	शनि 18/05/2041	बुध 10/01/2050	केतु 19/03/2059	शुक्र 12/06/2067
शनि 21/05/2024	बुध 18/03/2044	केतु 18/05/2050	शुक्र 16/11/2060	सूर्य 18/10/2067
बुध 18/05/2025	केतु 18/05/2045	शुक्र 19/05/2051	सूर्य 18/05/2061	चंद्र 18/05/2068

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
18/05/2068	18/05/2086	19/05/2102	19/05/2121	19/05/2138
18/05/2086	19/05/2102	19/05/2121	19/05/2138	00/00/0000
राहु 29/01/2071	गुरु 06/07/2088	शनि 22/05/2105	बुध 16/10/2123	केतु 15/10/2138
गुरु 24/06/2073	शनि 17/01/2091	बुध 30/01/2108	केतु 12/10/2124	शुक्र 16/12/2139
शनि 30/04/2076	बुध 24/04/2093	केतु 10/03/2109	शुक्र 13/08/2127	सूर्य 21/04/2140
बुध 17/11/2078	केतु 31/03/2094	शुक्र 10/05/2112	सूर्य 18/06/2128	चंद्र 20/11/2140
केतु 05/12/2079	शुक्र 29/11/2096	सूर्य 22/04/2113	चंद्र 18/11/2129	मंगल 19/04/2141
शुक्र 05/12/2082	सूर्य 17/09/2097	चंद्र 21/11/2114	मंगल 15/11/2130	राहु 12/10/2141
सूर्य 30/10/2083	चंद्र 17/01/2099	मंगल 31/12/2115	राहु 03/06/2133	00/00/0000
चंद्र 30/04/2085	मंगल 24/12/2099	राहु 06/11/2118	गुरु 09/09/2135	00/00/0000
मंगल 18/05/2086	राहु 19/05/2102	गुरु 19/05/2121	शनि 19/05/2138	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 7 मा 11 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के द्वितीय चरण में हुआ था। आपके जन्म समय मिथुन लग्न के साथ-साथ वृषभ का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भाग्यशाली व्यक्ति हैं। क्योंकि आप आरामदायक एवं प्रसन्नतम जीवन व्यतीत करेंगे। परंतु आप कार्य करने से विमुख हो जाते हैं फिर आप किस प्रकार उपयुक्त कार्य सुनिश्चित कर सकेंगे। अतः आप कार्य के संबंध में पूर्णरूपेण विचार कर उपयुक्त एवं अनुकूल कार्य सुनिश्चित कर लें।

आपकी ढुल-मुल नीति के कारण आप मानसिक रूप से व्यस्त रहते हैं एवं प्रतिक्षण अन्य लुभावने कार्य-व्यवसाय को प्रारंभ करने हेतु व्यग्रता पूर्वक प्रवृत्त हो जाते हैं। इसलिए आप अधीर होकर, तत्काल ही परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं। जिस वजह से आप प्रलोभन में पड़ कर अनेकों कार्यों को अपूर्ण छोड़ देते हैं। फलस्वरूप आपके कठिन श्रम से कोई लाभ प्राप्त नहीं हो पाता है। अतः आप भविष्यकाल के लिए निर्णय करके सुदृढता पूर्वक कार्य संपादन करें।

आप में आश्चर्य जनक ग्रहणात्मक शक्ति विद्यमान है। आप दूसरों की बातों को समझने एवं ग्रहण करने में समर्थ हैं। आप किसी भी प्रकार का अंदाज लगाने के बाद भी अपने अनुकूल और विचार पूर्वक कार्य संपादन करते हैं।

आपके पास लोग निर्देशन प्राप्त करने तथा आपकी राय जानने आयेंगे। सामान्यतया किसी भी वस्तु विषय में आपका निर्णय ले लेना तथा पुनः निर्णय बदल देना यह उपयुक्त है।

आपका अच्छा स्वभाव आपको अपने मित्रों एवं संबंधियों के मध्य प्रसिद्धि प्रदान करता है। आपके संबंधित सभी लोग आपको प्रतिष्ठित करते हैं। अर्थात् प्रतिष्ठा प्रदान करते हैं। अन्य दूसरी बात यह है कि आपकी प्रसिद्धि आपको तेज, कुशग्र बुद्धि का, निष्कपट, विश्वासी एवं दानशील प्रवृत्ति का बनाता है।

आप अपनी उच्च महत्वकांक्षा की प्राप्ति हेतु समर्पित हो कर कोई भी कार्य प्रारंभ करें। आप चांद को स्पर्श करने की अभिलाषा नहीं करते परंतु आप कुछ भी चाहे जो कुछ भी प्राप्त करके ही संतुष्टि एवं प्रसन्नता का अनुभव करना चाहते हैं।

यदि आप एकाग्रता पूर्वक कार्य संपादन करें तो आपके अपने रास्ते से धन की प्राप्ति होगी। आप मुख्यतः अपने जीवन के 25वें वर्ष में अति समृद्ध हो जाएंगे। साथ ही धन का अपव्यय निरर्थक हो जाने से बहुत बड़ी उदासीनता एवं चिंता का कारण भी बनेगा।

आप पारिवारिक सदस्यों के साथ बहुत आरामदेह एवं सुखप्रद जीवन बिताएंगे। आपका शांति प्रदायक अपना भवन होगा तथा बच्चों के साथ अनेक प्रकार से सुविधाजनक एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करेंगे। उत्तम तो यह है कि आप अपने लिए अनुकूल जीवन संगिनी का चयन कर लें जिसका जन्म लग्न/राशि तुला, कुंभ, सिंह एवं मेष राशि हो।

आप भ्रमण प्रिय हैं। आप अपने मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आपके संपर्क के अनेक मित्रगण विस्तृत रूपेण पूर्ण समर्पित भाव से आपका सहयोग करेंगे। स्पष्टतया आपके उत्तम स्वास्थ्य की सुनिश्चितता बनी हुई है। परंतु आपको संभाव्य शारीरिक आघात के प्रति रक्षित करना चाहिए। ताकि यक्ष्मा तपेदिक, श्वास नली की विकृति एवं उदर संबंधी विकृति रोग की परेशानी से सुरक्षित रह सकें। आपके लिए पेशा, वकालत, शैक्षणिक कार्य, पुस्तक प्रकाशन एवं पत्रकारिता के व्यवसाय अनुकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए लाभदायक, प्रभावी एवं अनुकूल अंक 3 एवं 7 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल अंक है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित हैं परंतु इसे त्यागकर अपने लिए अनुकूल रंग पीला गुलाबी, बैंगनी, हरा एवं नीला रंग के वस्त्रादि का व्यवहार करें। काला एवं लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।

